

SYLLABUS

HINDI (HONS./PG)

CODE – 15

- (1) हिन्दी साहित्य का इतिहास
 - (क) प्रवृत्तिमूलक अध्ययन : आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल।
 - (ख) उल्लिखित चारों कालों के सामाजिक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य।
 - (ग) प्रत्येक कालों के प्रमुख कवियों और कवियों के सामान्य परिचयात्मक अध्ययन।
 - (घ) हिन्दी भाषाका विकास, हिन्दी की बोलियाँ।
 - (ङ) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा में अंतर।
- (2) मध्ययुगीन काव्य : कवियों के काव्यात्मक सामाजिक, सांस्कृतिक विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य में :
 - (क) कबीरदास : सं : पारसनाथतिवारी कबीरवाणी-पद आरंभिक १० साखी आरंभिक २५
 - (ख) सुर सुपमा : सं नंददुलारे वाजपेयी : पद संख्या 1, 5, 12
 - (ग) विनय पत्रिका : तुलसीदास : पद संख्या 90, 101, 102, 105, 111, 112, 114, 162, 167, 172.
 - (घ) बिहारी दोहा- 1, 9, 11, 13, 15, 16, 22, 24, 29, 44, 58, 72, 73, 77, 80, 93, 97, 103, 112.
- (3) आधुनिक काव्य : कवियों की प्रमुख रचनाओं के काव्यात्मक और विश्लेषणात्मक विवेचन : प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी, अज्ञेय, नागार्जुन।
- (4) नाटककार के रूप में- जयशंकर प्रसाद, उपेन्द्रनाथ अश्व, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश की कृतियों का विशेष परिचय
- (5) निबंधकार के रूप में- प्रेमचन्द, भीष्म साहनी, रेणु आदि।
- (6) उपन्यासकार के रूप में- जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, यशपाल, जैनेन्द्र, अज्ञेय, मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, मनु भंडारी, रेणु, भीष्म साहनी की कहानीकला
- (7) व्याकरण भाग : कारक, संधि, समास, वाच्य, सर्वनाम, विशेषण के भेद, उपसर्ग, प्रत्यय, क्रिया, काल, मुहावरा, अनुवाद कला।